



भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति  
तारीख: 04 जुलाई, 2026  
जारी करने का समय: 1320 घंटे

**विषय:** (i) उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का एक स्पष्ट क्षेत्र बना हुआ है। इसके असर से, अगले 4-5 दिनों तक देश के मध्य हिस्सों में मॉनसून के सक्रिय रहने की संभावना है।  
(ii) 04 से 07 तारीख के दौरान कोंकण और गुजरात क्षेत्र में; 04 से 06 तारीख के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 04 और 05 तारीख को सौराष्ट्र और ओडिशा में; और 04 जुलाई, 2026 को पश्चिम मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

**दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 2026 का आगे बढ़ना (अनुबंध I):**

- ❖ 4 जुलाई तक, मॉनसून की उत्तरी सीमा 22°N/60°E, 22°N/65°E, जामनगर, उदयपुर, अजमेर, झुंझुनू, हिसार, भटिंडा और 32.5°N/70°E से होकर गुजर रही है।
- ❖ अगले 4 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के उत्तर अरब सागर के कुछ और हिस्सों, गुजरात, हरियाणा और पंजाब के बाकी हिस्सों और राजस्थान के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए हालात अनुकूल हैं।

**आज, 04 जुलाई 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया मौसम:**

- ❖ सौराष्ट्र में बहुत ज्यादा बारिश (57 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और मध्य महाराष्ट्र में बहुत ज्यादा बारिश (≥21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, तटीय कर्नाटक और ओडिशा में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तराखंड, राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ पूर्वी राजस्थान में 60-80 किमी/घंटा की रफ्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, त्रिपुरा, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, विदर्भ, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और कच्छ में कुछ जगहों पर 40-60 किमी/घंटा की रफ्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया।

**मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान और चेतावनियां (अनुबंध II और III):**

- ❖ कल उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों पर बना कम दबाव का क्षेत्र आज, 04 जुलाई 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) उसी इलाके में एक 'अच्छी तरह से चिह्नित' (well-marked) कम दबाव के क्षेत्र के रूप में बना हुआ है। इसके अगले 3 दिनों के दौरान उत्तर ओडिशा और उत्तर छत्तीसगढ़ से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने की बहुत संभावना है।
- ❖ मौसमी ट्रफ सक्रिय है और अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में है।
- ❖ शियर ज़ोन (shear zone) लगभग 21°N अक्षांश के साथ निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तर के बीच बना हुआ है।
- ❖ औसत समुद्र तल पर एक ऑफ-शोर ट्रफ दक्षिण गुजरात से कर्नाटक तट तक फैली हुई है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल स्तर में लगभग 70°E देशांतर के साथ और 29°N अक्षांश के उत्तर में एक ट्रफ के रूप में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस बना हुआ है।

## ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

### उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 4-5 जुलाई और 10 जुलाई को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 4-5 जुलाई और 9-10 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 4-7 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 4-6 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 4-10 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; और 4 जुलाई व 10 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 6-9 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; और 4-10 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में काफी ज़्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 6-8 जुलाई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 8-10 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 7-10 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 5-9 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में काफी ज़्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 4-10 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 4-5 जुलाई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 4-6 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; 4-9 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 7-10 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में और 10 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 4-10 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में; और 4 जुलाई व 7-8 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 7-8 जुलाई के दौरान।
- ❖ हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और पंजाब में 6-8 जुलाई के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 4-5 जुलाई और 8-9 जुलाई के दौरान; उत्तराखंड में 4 जुलाई और 6-10 जुलाई के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 9-10 जुलाई के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 8-10 जुलाई के दौरान; पश्चिमी राजस्थान में 4 जुलाई और 6-8 जुलाई के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 8 जुलाई और 10 जुलाई को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, हिमाचल प्रदेश में 6-7 जुलाई के दौरान; उत्तराखंड में 5 जुलाई को; पूर्वी राजस्थान में 4-7 जुलाई और 9 जुलाई को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

### मध्य भारत:

- ❖ छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 4-10 जुलाई के दौरान काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 4-8 जुलाई के दौरान; छत्तीसगढ़ में 6-8 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; विदर्भ में 4-8 जुलाई के दौरान तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 4 जुलाई और 9-10 जुलाई के दौरान; पूर्वी मध्य प्रदेश में 9-10 जुलाई के दौरान; विदर्भ में 6 जुलाई को; छत्तीसगढ़ में 6-7 जुलाई और 9-10 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 5-8 जुलाई के दौरान; पूर्वी मध्य प्रदेश में 4-8 जुलाई के दौरान; छत्तीसगढ़ और विदर्भ में 4-5 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 4 जुलाई को कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वी भारत:
- ❖ 4-10 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 4-8 जुलाई के दौरान ओडिशा में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 4-10 जुलाई के दौरान बिहार में; और 9-10 जुलाई के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 4-10 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 4-7 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 4-8 जुलाई के दौरान झारखंड में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 8-10 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; और 4-8 जुलाई के दौरान बिहार में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 6-8 जुलाई और 10 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 4 और 6 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 5-7 जुलाई के दौरान झारखंड में; 6-7 जुलाई और 10 जुलाई को बिहार में; 4-5 जुलाई और 10 जुलाई को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 9 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 5 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; और 6-7 जुलाई के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 4 जुलाई को झारखंड में मध्यम से तेज बिजली कड़कने की गतिविधि होने की संभावना है।
- ❖ 4 और 5 जुलाई को ओडिशा में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

### पूर्वांतर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 4-6 जुलाई और 9-10 जुलाई के दौरान; असम और मेघालय में 4-6 जुलाई और 10 जुलाई को कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 7-8 जुलाई; असम और मेघालय में 7-9 जुलाई; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 4-10 जुलाई के दौरान काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 6-8 जुलाई; असम और मेघालय में 4 जुलाई; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 4-8 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 6-10 जुलाई; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 4-10 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

### पश्चिम भारत:

- ❖ कोंकण और गोवा में 4-10 जुलाई; मध्य महाराष्ट्र में 4-7 जुलाई; मराठवाड़ा में 4-5 जुलाई; गुजरात क्षेत्र में 4-8 जुलाई; सौराष्ट्र और कच्छ में 4-6 जुलाई के दौरान काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र में 8-10 जुलाई; मराठवाड़ा में 6-10 जुलाई; गुजरात क्षेत्र में 9-10 जुलाई; सौराष्ट्र और कच्छ में 7-10 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र में 4-5 जुलाई; मराठवाड़ा में 4-6 जुलाई; सौराष्ट्र और कच्छ में 4 जुलाई को कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ गुजरात क्षेत्र में 4-6 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ कोंकण और गोवा में 4-10 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। मध्य महाराष्ट्र में 4-6 जुलाई और 8-9 जुलाई के दौरान; मराठवाड़ा में 4-5 जुलाई के दौरान; गुजरात क्षेत्र में 4-9 जुलाई के दौरान; सौराष्ट्र और कच्छ में 4-5 जुलाई और 7-8 जुलाई के दौरान बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 7 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में और 6 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ कोंकण और गोवा तथा गुजरात क्षेत्र में 4-7 जुलाई के दौरान; मध्य महाराष्ट्र में 4-6 जुलाई के दौरान; सौराष्ट्र और कच्छ में 3 और 4 जुलाई को कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

### दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 4-10 जुलाई के दौरान; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 8-10 जुलाई के दौरान; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में 6-10 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ तटीय कर्नाटक, केरल और माहे तथा लक्षद्वीप में 4-10 जुलाई के दौरान; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 4-7 जुलाई के दौरान; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में 4-5 जुलाई के दौरान काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 4-5 जुलाई के दौरान; तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 4-7 जुलाई के दौरान; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 4-8 जुलाई के दौरान; तेलंगाना में 5-8 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 4 जुलाई को; केरल और माहे में 4-5 जुलाई और 8-10 जुलाई के दौरान; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 5-6 जुलाई और 9-10 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। दक्षिण अंदरूनी कर्नाटक में 9-10 जुलाई के दौरान; तेलंगाना में 5 जुलाई को, साथ ही केरल और माहे में 6-7 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है; तटीय कर्नाटक में 4-10 जुलाई के दौरान; उत्तर अंदरूनी कर्नाटक में 4 जुलाई और 7-8 जुलाई के दौरान; दक्षिण अंदरूनी कर्नाटक में 4-8 जुलाई के दौरान; तेलंगाना में 4 जुलाई को।
- ❖ तेलंगाना में 4 जुलाई को आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ केरल और माहे में 4-8 जुलाई के दौरान; तटीय कर्नाटक, उत्तर अंदरूनी कर्नाटक और दक्षिण अंदरूनी कर्नाटक में 4-7 जुलाई के दौरान; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 6-8 जुलाई के दौरान; रायलसीमा में 4-10 जुलाई के दौरान तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

#### गर्म और उमस भरे मौसम तथा गर्म रातों की चेतावनी:

- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 4-5 जुलाई के दौरान; असम और मेघालय में 4-7 जुलाई के दौरान गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति रहने की संभावना है।

#### मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

- ❖ अरब सागर: गुजरात, कोंकण, गोवा और कर्नाटक के तटों के पास और उनसे सटे पूर्वी-मध्य और उत्तर-पूर्वी अरब सागर में; सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे सटे इलाकों में; दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों और मध्य व उससे सटे उत्तर अरब सागर के ज्यादातर हिस्सों में 9 जुलाई तक; केरल के तटों के पास और उनसे सटे इलाकों में तथा लक्षद्वीप इलाके में 4 से 8 जुलाई के दौरान।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के तटों के पास और उनसे सटे इलाकों में; उत्तर और मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण बंगाल की खाड़ी में; तथा अंडमान सागर के ऊपर 8 जुलाई तक।

#### अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

[https://mausam.imd.gov.in/responsive/all\\_india\\_forecast\\_bulletin.php](https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php)

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

**महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):**

- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: मंगरोल (जूनागढ़) 32
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: महाबलेश्वर (सतारा) 27
- ❖ कोंकण: पोलादपुर (रायगढ़) 22
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: सेंधवा (बड़वानी) 21
- ❖ ओडिशा: सोहेला 20
- ❖ तमिलनाडु: हिमस्खलन (जिला नीलगिरी) 19, चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर) 14,
- ❖ छत्तीसगढ़: बड़ेबचेली (दंतेवाड़ा) 14
- ❖ केरल और माहे: कुमारकम (जिला कोट्टायम) 13, चेरथला (जिला अलापुझा) 13, वैक्कोम (जिला कोट्टायम) 12, कोट्टायम (जिला कोट्टायम) 12
- ❖ तटीय कर्नाटक: मुदुबिद्रे (जिला दक्षिण कन्नड़) 13, बेलथांगडी (जिला दक्षिण कन्नड़) 11, सुब्रमण्य (जिला दक्षिण कन्नड़) 10
- ❖ उत्तराखंड: समा 9
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 9, कम्मार्डी (जिला चिक्कमगलुरु) 9
- ❖ राजस्थान: पचपदरा (बाड़मेर) 7, डूंगरपुर तहसील 7
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: बाकल (कटनी) 9
- ❖ त्रिपुरा: डीएम कार्यालय (पश्चिम त्रिपुरा) 7
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: लांग आईलैंड 7
- ❖ सिक्किम: ताडोंग 7।

**तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):**

- ❖ पूर्वी राजस्थान: डबोक - 70; जयपुर - 65; आबू रोड-46
- ❖ पश्चिमी राजस्थान: पाली - 59; जोधपुर - 48; बीकानेर-46; बाड़मेर-41
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: महाबलेश्वर (सतारा) - 54; बारामती(पुणे)-48
- ❖ जम्मू-कश्मीर और लद्दाख: पुंछ - 52
- ❖ मराठवाड़ा: वैजनाथ (बीड) - 52; चाकुर(लातूर)-48
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: जालौन (AWS) - 50
- ❖ कोंकण और गोवा: दापोली (रत्नागिरी) - 50; क्रूज़ (मुंबई) - 41; कोलाबा (मुंबई) - 40
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम - 48
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: लेम्बुचेरा - 46;
- ❖ हरियाणा, चंडीगढ़: पंचकुला - 41
- ❖ विदर्भ: 05 स्थान (सर्वोच्च चंद्रपुर - 41।

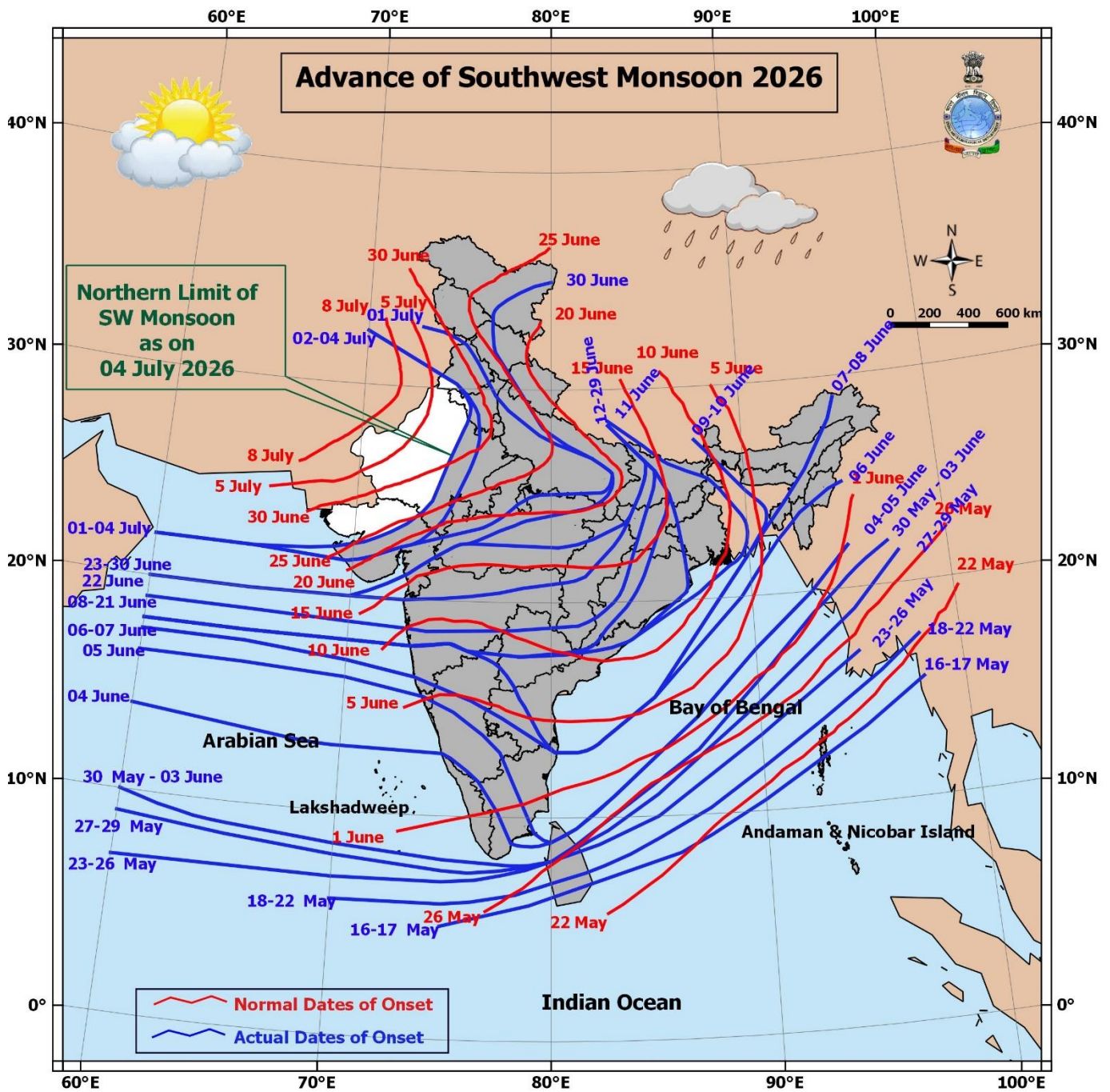
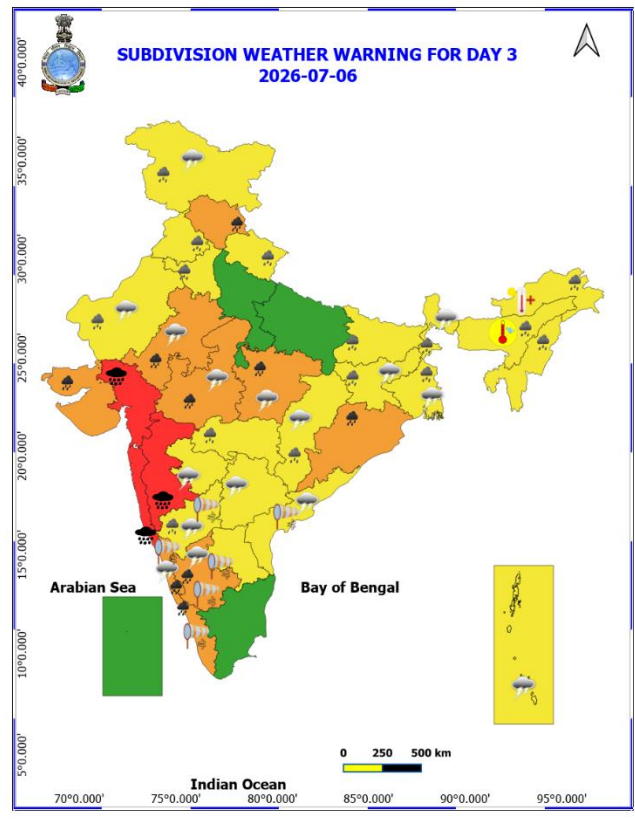
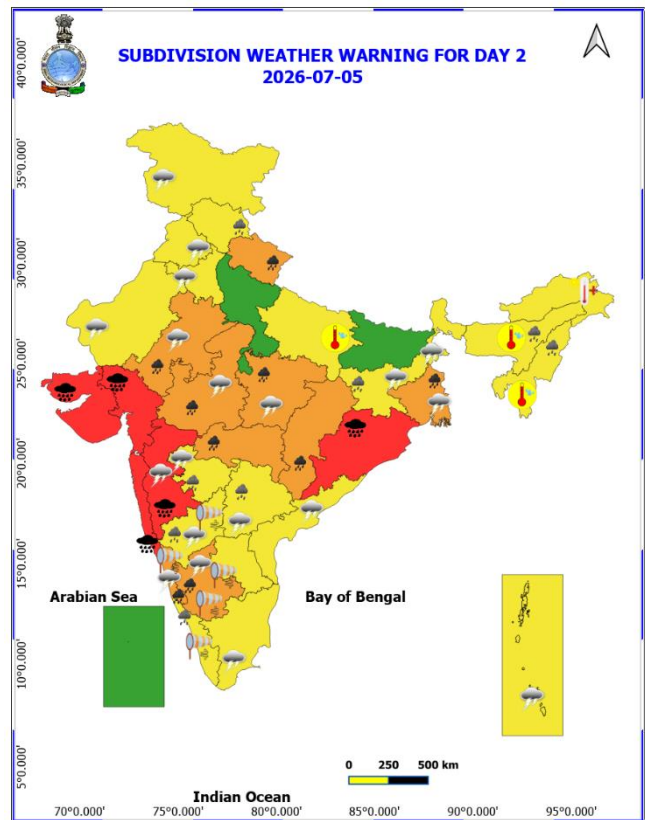
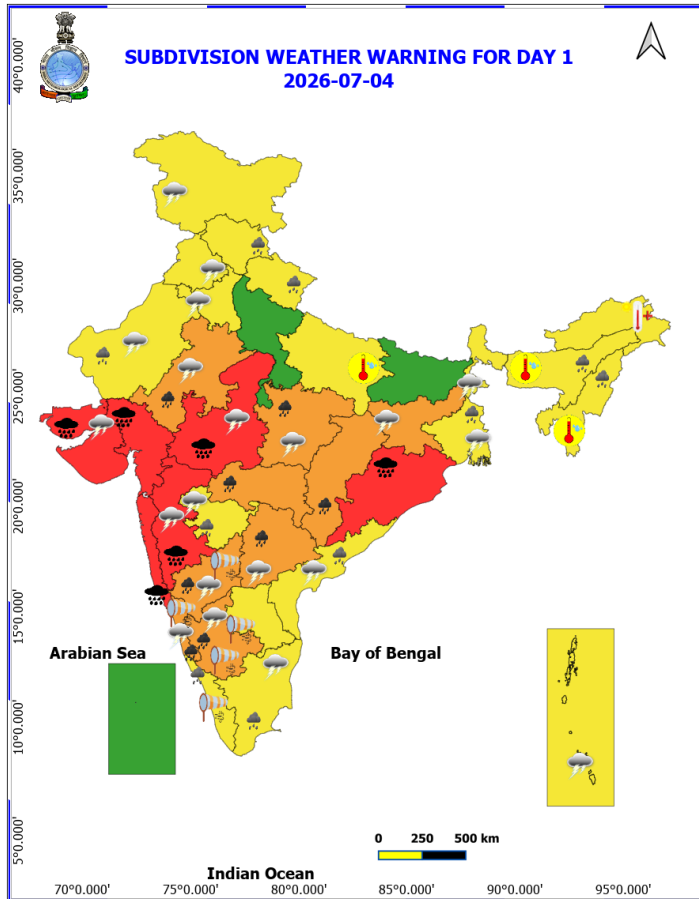
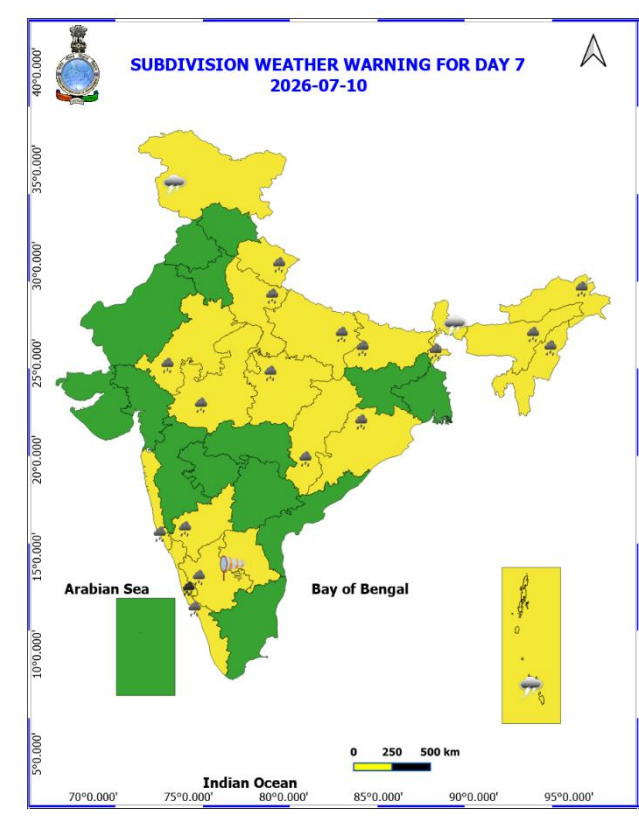
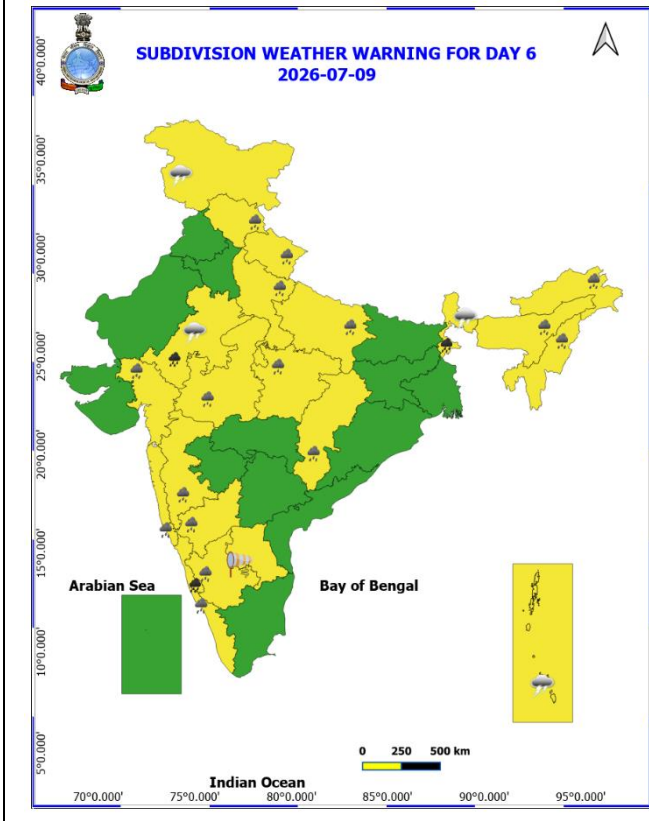
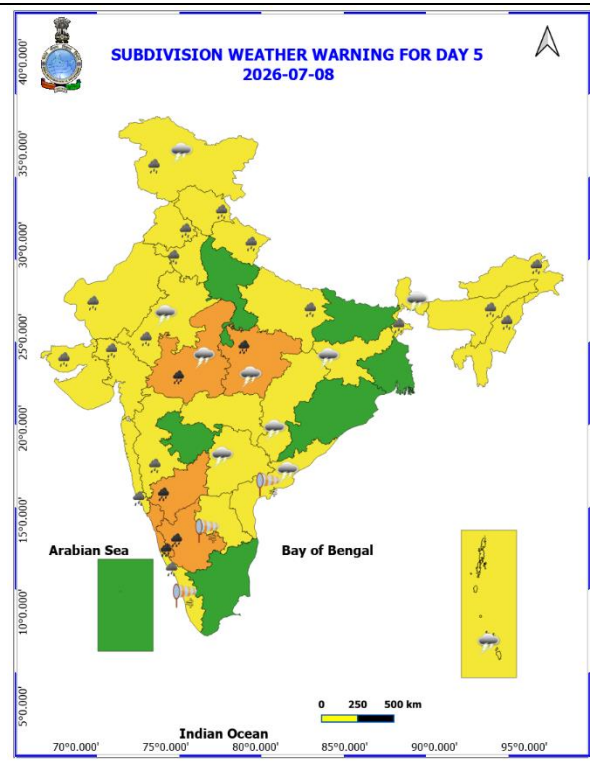
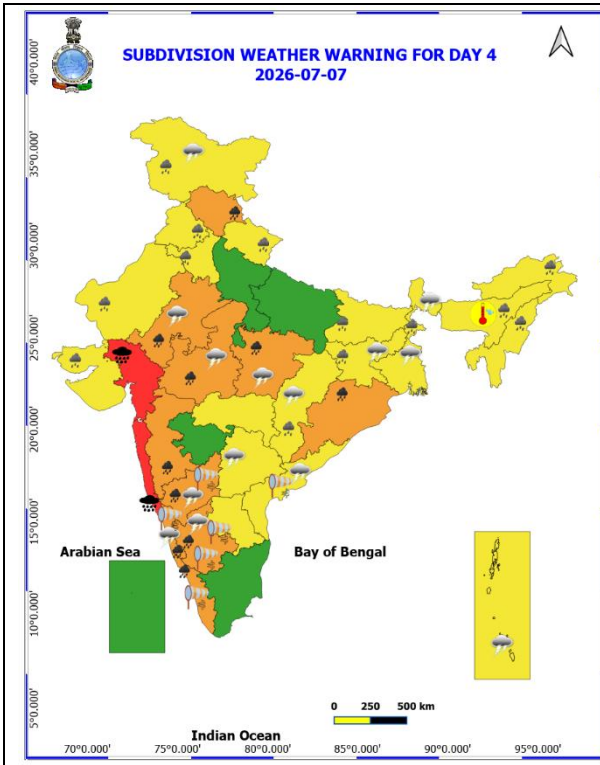


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	4- Jul	5- Jul	6- Jul	7- Jul	8- Jul	9- Jul	10- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS
7	ODISHA	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
8	JHARKHAND	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
14	PUNJAB	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	FWS	WS	WS	FWS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

#### 04 जुलाई से 07 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 2-3°C और न्यूनतम तापमान में 1-2°C की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 35-37°C और न्यूनतम तापमान 26-29°C के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा, और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा, और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आम तौर पर बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 18 किमी/घंटा की रफ्तार से ज़मीनी हवा चली। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश हुई। आज सुबह के समय इस इलाके में दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक की रफ्तार से ज़मीनी हवा चलने और आम तौर पर बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

04.07.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय दिल्ली में बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ-साथ आंधी/बिजली कड़कने/30-40 किमी/घंटा (जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35-37°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक की रफ्तार से ज़मीनी हवा चलने की संभावना है। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की रफ्तार बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

05.07.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर से पहले दिल्ली में बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ-साथ आंधी/बिजली कड़कने/30-40 किमी/घंटा (जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 25 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा (पूर्व दिशा से) हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा (दक्षिण-पूर्व दिशा से) हो जाएगी।

06.07.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर से पहले बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली/तेज़ हवाएँ (30-40 किमी/घंटा, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं) चलने की संभावना है। शाम/रात के समय भी बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, जबकि कुछ जगहों पर यह सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 25 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा (दक्षिण-पूर्व दिशा से) हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा (दक्षिण-पूर्व दिशा से) हो जाएगी।

07.07.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर से पहले/दोपहर के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश/आंधी/बिजली की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30°C से 32°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, और दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ आंधी के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

धूल उड़ाने वाली ज़मीनी हवाओं के साथ आंधी, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।

- संभावित असर: पेड़ों की टहनियां टूटना और बड़े पेड़ों का उखड़ना, सूखे पेड़ों की टहनियां गिरना, नुकसान...

#### सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

#### बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं के साथ कहीं-कहीं आंधी-तूफान की संभावना और उससे जुड़े सुझाव

- ❖ 4 जुलाई को तेलंगाना में तेज़ हवाओं के साथ तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झाँकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है। 4 जुलाई को झारखंड में मध्यम से तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी टहनियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को थोड़ा या ज़्यादा नुकसान हो सकता है।
- ❖ टहनियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को थोड़ा या ज़्यादा नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा/ओलावृष्टि से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवाओं से कमजोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और हो सके तो यात्रा न करें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न खड़े हों।
- ❖ बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- ❖ तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।

## भारी/बहुत भारी/अत्यधिक बारिश के कारण संभावित असर और सुझाव

- ❖ 4 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 4 और 5 जुलाई को ओडिशा, सौराष्ट्र और कच्छ में; 4 से 7 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा तथा गुजरात क्षेत्र में; और 4 से 6 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

### संभावित असर

- ❖ मुख्य रूप से शहरी इलाकों में सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और अंडरपास बंद होने की स्थिति।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में यातायात बाधित हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ कमजोर ढांचों को नुकसान होने की संभावना है। □ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ का बहाव/ज़मीन धंसने जैसी घटनाएं।
- ❖ पानी भरने के कारण कुछ इलाकों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ कुछ नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में नदी में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के बारे में जानकारी के लिए CWC का वेब पेज देखें)।

### सुझाए गए उपाय

- ❖ अपनी मंज़िल के लिए निकलने से पहले रास्ते में ट्रैफिक जाम की स्थिति देख लें।
- ❖ इस संबंध में जारी ट्रैफिक सलाहों का पालन करें।
- ❖ अक्सर जल-जमाव (पानी भरने) की समस्या वाले इलाकों में जाने से बचें।
- ❖ कमजोर या असुरक्षित इमारतों में रहने से बचें।

## भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **असम** में, धान की नर्सरी, जूट, अदरक, हल्दी, सब्जियों, केले, खट्टे फलों और पपीते से अतिरिक्त पानी को जल्दी निकालने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। भारी बारिश के दौरान साली धान की नर्सरी में बुवाई और जूट, मक्का व सब्जियों की बुवाई न करें। पहले से बोए गए क्षेत्र को प्राकृतिक मल्लिचंग सामग्री जैसे पुआल, खेत के अवशेष आदि से ढक दें। गन्ने की फसल को गिरने से बचाने के लिए उसे यांत्रिक सहारा दें।
- **मेघालय** में, धान की नर्सरी, मक्का, अदरक, लोबिया, सब्जियों के खेतों और केले के बागानों में पानी की निकासी के लिए सही चैनल बनाएं। छोटे पौधों को भारी बारिश से बचाएं। भारी फलों वाले पौधों को सहारा देने के लिए प्रॉपिंग (बांस या लकड़ी के खंभे) का इस्तेमाल करें।
- **नागालैंड** में, मुख्य खेत में बैंगन की रोपाई में देरी करें। जो पौधे पहले ही लगाए जा चुके हैं, उनके लिए मक्का, सब्जियों और बागों के खेतों में और उनके आसपास पानी की सही निकासी बनाए रखें।
- **मणिपुर** में, भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें। सोयाबीन, मिर्च, अदरक, हल्दी, केले और अन्य फसलों के खेतों के साथ-साथ नए लगाए गए पौधों और नर्सरी की फसलों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- **मिजोरम** में, धान के खेतों के चारों ओर पानी की निकासी के लिए चैनल बनाएं और बीजों को ढकने के लिए घास की मलच का इस्तेमाल करें। फल देने वाले या आंशिक रूप से गिरे हुए पौधों/पेड़ों को सहारा दें। मक्के के पौधों को गिरने से बचाने के लिए प्रॉपिंग करें।
- **त्रिपुरा** में, भारी बारिश के दौरान धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें।
- **ओडिशा** में, भारी बारिश के दौरान मूंग की बुवाई न करें। धान, मक्का, मोटे अनाज (मिलेट्स) और दाल वाली फसलों के खेतों और फलों के बागों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।

- **हिमाचल प्रदेश** में, जलभराव को रोकने के लिए मक्का, रागी (फिंगर मिलेट) और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी के लिए सही चैनल बनाए रखें।
- **उत्तराखंड** में, धान, मक्का, टमाटर, मिर्च, इंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट) और रागी (फिंगर मिलेट) के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए खेत में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग और उड़द की तैयार फसलों की कटाई और मड़ाई पूरी करें और उपज को सूखी जगह पर रखें।
- **मध्य प्रदेश** में, तैयार मूंग, सब्जियों और फलों की कटाई करें और उपज को सुरक्षित जगह पर रखें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान और सब्जियों की नर्सरी में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- **गुजरात** में, धान की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकाल दें; गन्ने, भिंडी, सब्जियों, रतालू और चीकू के बागों के खेत।
- **कोंकण** में, धान, रागी और सब्जियों की नर्सरी में बुवाई; मूंगफली और कद्दू-वर्गीय सब्जियों की बुवाई; और आम, नारियल, काजू और सुपारी जैसे नए बाग लगाने का काम अभी न करें। धान और रागी की नर्सरी और धान व सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- मध्य **महाराष्ट्र** के घाट इलाकों में, धान और रागी की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकालने का इंतज़ाम करें।
- **विदर्भ** में, सब्जियों की नर्सरी और फलों के बागों में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- **केरल** में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। केले के पौधों को सहारा दें और सब्जी की फसलों के पंडालों को मज़बूत करें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें।
- **कर्नाटक** में, पानी जमा होने से रोकने के लिए धान की क्यारियों, धान के खेतों, सुपारी और नारियल के खेतों और फलों के बागों में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- **राजस्थान, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और अंडमान-निकोबार** जैसे भारी बारिश की संभावना वाले इलाकों में, खड़ी फसलों में सिंचाई न करें और खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।

#### **तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श**

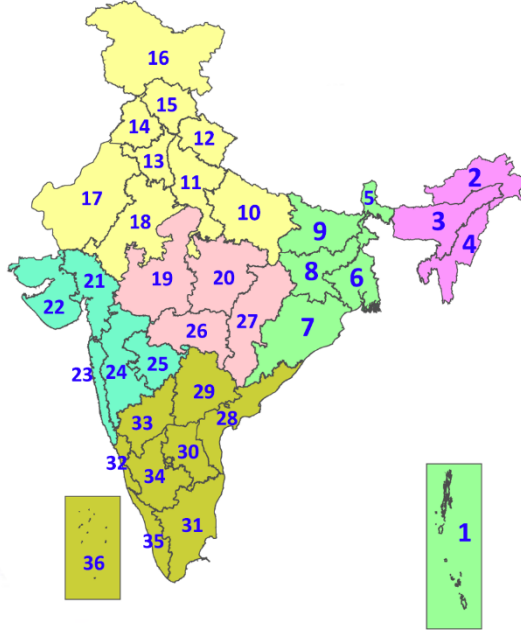
- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

#### **पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन**

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

## LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

### COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

### Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

## DEFINITION/CRITERIA

### Rain/ Snow \*

**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm \*  
**Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm\*  
**Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm \*

### Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches  $\geq 40^\circ\text{C}$  for plains and  $\geq 30^\circ\text{C}$  for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

**Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal  $4.5^\circ\text{C}$  to  $6.4^\circ\text{C}$ .

**Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal  $\geq 6.5^\circ\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

**Heat Wave:** When actual maximum temperature  $\geq 45^\circ\text{C}$ .

**Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature  $\geq 47^\circ\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is  $> 4.5^\circ\text{C}$  from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature  $\geq 37^\circ\text{C}$

### Warm Night

When maximum temperature remains  $40^\circ\text{C}$

**Warm Night:** When minimum temperature departure  $4.5^\circ\text{C}$  to  $6.4^\circ\text{C}$ .

**Severe Warm Night:** When minimum temperature departure  $> 6.4^\circ\text{C}$ .

### Cold Wave

When minimum temperature of a station  $\leq 10^\circ\text{C}$  for plains and  $\leq 0^\circ\text{C}$  for hilly regions.

(a). Based on departure

**Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal  $-4.5^\circ\text{C}$  to  $-6.4^\circ\text{C}$ .

**Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^\circ\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

**Cold Wave :** When Minimum Temperature is  $\leq 4.0^\circ\text{C}$

**Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is  $\leq 2.0^\circ\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is  $\leq -4.5^\circ\text{C}$  & actual Minimum Temperature is  $\leq 15^\circ\text{C}$

### Cold Day

When minimum temperature of a station  $\leq 10^\circ\text{C}$  for plains and  $\leq 0^\circ\text{C}$  for hilly regions

Based on departure

**Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal  $-4.5^\circ\text{C}$  to  $-6.4^\circ\text{C}$ .

**Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^\circ\text{C}$

### Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility  $< 1\text{km}$

**Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres

**Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres

**Very Dense Fog:** when the visibility  $< 50$  metres

### Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

### Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

### Frost

Ice deposits on ground

Air temperature  $\leq 4^\circ\text{C}$  ( over Plains)

### Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

**Moderate:** Wind speed 52-61 kmph

**Severe:** Wind speed 62-87 kmph

**Very Severe:** Wind speed  $> 87$  kmph

### Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

**Rough to very rough:** Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

**High to very high:** Wind speed 63-117 kmph ( 34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

**Phenomenal:** Wind speed  $> 117$  kmph ( $> 63$  knots) & Wave height  $> 14$  metre

### Cyclone

**Cyclonic Storm:** Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

**Severe Cyclonic Storm:** Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

**Very Severe Cyclonic Storm:** Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

**Extremely Severe Cyclonic Storm:** Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

**Super Cyclone Storm:** Wind speed  $> 220$  kmph ( $> 119$  knots)

\* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".  
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.  
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599  
(Service to the Nation since 1875)